फासीवाद

अंग्रेजी शब्द – Fascism
लैटिन – फासियो
अर्थ – बंडल या लकड़ियों का बंधा ढेर

→ यह बंडल लाल-फीते से बंधा होता था जो राजकीय अधिकार का चिन्ह होता था। जिसे प्राचीन रोमन सरकार के प्राधिकार और शक्ति का चिन्ह माना जाता था।

→ 20वीं सदी के तीसरे दशक में यूरोप में सर्वसत्तावाद का विकास

सर्वसत्तावाद – वैसी शासन पद्धति जिसमें एक निश्चित अल्पसंख्यक शक्ति और धमकी के बल पर सामाजिक जीवन के सभी अवयवों पर अपनी शक्ति/इच्छा थोप देता है

– इसके दो रूप मिलते

- वामपंथी → रूस की साम्यवादी सरकार
- दक्षिणपंथी → फासीवाद एवं नाजीवाद

→ फासीवाद कोई मौलिक दर्शन नहीं है। यह डार्विनवाद, बुद्धि-विरोधवाद, परम्परावाद एवं हिगेल के आदर्शवाद का मिश्रण है।

– यह ऐसा विश्वास करता है कि राज्य के भीतर ही सब कुछ है, राज्य के बाहर कुछ नहीं और उसके विरुद्ध भी कुछ नहीं।

फासीवाद के उदय के कारण

पेरिस शांति सम्मेलन व इटली के साथ विश्वासघात → 1st WW में इटली ने मित्रराष्ट्रों का साथ दिया, युद्ध के बाद उसे व्यापक क्षेत्र देने का वादा किन्तु पेरिस सम्मेलन में मित्रराष्ट्र मुकर गये (फ्रांस व ब्रिटेन)

→ उसे अल्बानिया तथा फ्यूम नहीं दिया

– अफ्रीका में जर्मनी के उपनिवेश फ्रांस व ब्रिटेन ने बांट लिए इस तरह भूमध्यसागरीय प्रभुत्व की आकांक्षा तथा अफ्रीका में साम्राज्यविस्तार की महत्वाकांक्षा अतृप्त रही। जनता इटली के गणतन्त्र से नाराज रहने लगी और फासीवाद का रास्ता

युद्धोत्तर आर्थिक दुर्दशा — युद्ध काल में काफी धन-जन की हानि।
—इटली के 6.5 लाख लोग मरे, 10 लाख से ज्यादा घायल
—1.5 अरब डॉलर सम्पत्ति नष्ट
—इटली पर राष्ट्रीय ऋण बढ़ा, उद्योग और व्यापार अव्यवस्थित हो गया
—वस्तुओं के मूल्य बेतहाशा बढ़े
—इटली की मुद्रा का मूल्य 70% कम हुआ।
—मजदूर, सैनिक सभी अपने असंतोष को दूर करने के लिए मसीहा की तलाश में थे

→ राष्ट्रवादियों में असंतोष
→ साम्यवाद का प्रचार
→ हीगेल के विचारों का प्रभाव
→ समाज के सभी वर्गों का समर्थन
→ मुसोलिनी का व्यक्तित्व

फासीवाद के स्रोत / सिद्धांत

→ यथार्थ पर आधारित — क्योंकि इसका जन्म कार्य किए जाने की आवश्यकता के कारण हुआ। है न कि सिद्धांत पर
→ लोकतंत्रवाद, उदारवाद, समाजवाद, व्यक्तिवाद, पूँजीवाद का कट्टर विरोधी है
→ साम्यवाद का विरोधी — आर्थिक आधार पर समाज के विकास का विरोधी, वर्गसंघर्ष के बजाय परस्पर सहयोग चाहिए।
→ शांति विरोधी — → उन्नति - आगे बढ़ना, दूसरों को रौंदते हुए
→ बुद्धिवाद विरोधी → राज्य जो कहे वही ठीक है
→ मुक्त व्यापार विरोधी
→ सिद्धांत विरोधी — हर अवस्था बदलती है और सिद्धांत कारागार है।
→ उपयोगितावाद का समर्थक।